आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–12 सितम्बर 2026 सान्ध्य समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि वह अपनी जरूरत के अनुसार किताबें खरीदने और पढ़ने की आदत विकसित करें। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपना बुक बैंक बनाने की अपील करते हुए कहा कि खाली समय में पुस्तक पढ़ने की आदत जीवन को नई दिशा दे सकती है। लखनऊ को साहित्य का प्राचीन केन्द्र बताते हुए श्री योगी ने प्रदेश के उन स्थानों की चर्चा की जहां की कालजयी रचनाओं ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है।

अनेक ऐसे साहित्यकार लखनऊ ने और लखनऊ के आसपास के क्षेत्र ने दिए हैं, जिन्होंने देश को अपनी कालजयी रचना के माध्यम से आकर्षित किया। इसी लखनऊ से 70 किलोमीटर की दूरी में नैमिषारण्य है। नैमिषारण्य में भारतीय ज्ञान की इस परंपरा ने चिंतन को आगे बढ़ाने का काम किया था। काशी के विश्वविद्यालय जगविख्यात रहे हैं। प्रयागराज की धरती–वहां के कुंभ की परंपरा केवल एक आयोजन–महोत्सव नहीं है, भारत की ज्ञान परंपरा की चिंतन की वह स्थली रही है, जहां पर देश भर से ऋषि–मुनि जुड़ते थे। इसी उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में शुकतीर्थ में श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा का वाचन भी होता है।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में लगी पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और वहां मौजूद बच्चों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक एक्जाम वारियर्स का वितरण भी किया।

****

प्रदेश भर में आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान सुलह–समझौते के माध्यम से विविध मामलों का समाधान सुनिश्चित किया गया। इनमें यातायात चालान, पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, मोटर दुर्घटना, ऋण वसूली जैसे मामले शामिल रहे। गाजीपुर में आयोजित लोक अदालत में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। वहां के लोक अदालत के नोडल अधिकारी शक्ति सिंह ने बताया कि अधिकांश लोगों के मामलों को निस्तारित किया गया। कानपुर देहात में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से दो लाख साठ हजार मामलों का निस्तारण किया गया। अयोध्या में आयोजित लोक अदालत में श्रम वादों का प्रमुखता से निस्तारण किया गया। इस दौरान पीड़ित पक्षों को अड़तीस लाख उन्यासी हजार रूपये की धनराशि का भुगतान कराया गया। गोरखपुर, अमरोहा और फर्रूखाबाद में भी लोक अदालत के जरिये बड़ी संख्या में वाद निस्तारित किये गये।

****

भारत ने ह्यूमन पैपिलोमा वायरस– एचपीवी टीकाकरण के अस्सी लाख टीकों का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार गुजरात, मध्य प्रदेश और मिजोरम के अलावा उत्तर प्रदेश ने भी अपने निर्धारित लक्ष्यों का शत प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक बाइस लाख किशोरियों को टीका लगाया जा चुका है। इस अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी–दो हजार छब्बीस में किया था। अभियान के तहत, 14 वर्ष की उम्र की लड़कियों को माता–पिता की सहमति से सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वैच्छिक और निःशुल्क एकल–खुराक एचपीवी टीकाकरण प्रदान किया जाता है। यह एचपीवी संक्रमण और एचपीवी से जुड़े कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

****

प्रदेश के लगभग सभी पूर्वी जिलों में छिटपुट बादल छाये हुए हैं और कुछ स्थानों पर रूक–रूक कर गरज–चमक के साथ वर्षा का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के अनुसार वर्षा की वायुमण्डलीय परिस्थितियां बनी हुयी हैं, इसके चलते अगले चार दिनों तक गोरखपुर और आसपास के जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की और कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान है। उधर, लगातार वर्षा होने और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण राज्य के दो दर्जन से अधिक जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ प्रभावित जिलों में जिला प्रशासन की ओर से निरंतर निगरानी की जा रही है और राहत तथा बचाव कार्य जारी है।

राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित आश्रय मुहैया कराया जा रहा है। बाढ़ के दौरान बीमारियों के फैलने के खतरे को देखते हुए, स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह से सक्रिय है। प्रभावित इलाकों में डॉक्टरों की टीमें तैनात की गई हैं। उधर प्रदेश के कई जिलों में रुक–रुक कर बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है।–सुशील चन्द्र तवारी आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

****

प्रदेश सरकार ने परिषदीय विद्यालयों में बच्चों से जुड़ी सूचनाओं की निगरानी, प्रबंधन और शैक्षिक व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिये छः करोड़ पचपन लाख रूपये जारी किये हैं। इस धनराशि से यू–डायस प्लस और चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जायेगा।

****